चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 11.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....6.7.....

ग्रामीण क्षेत्र में कृषि आधारित लघु उद्योग करें स्थापित

सलाह

- मशरूम का व्यवसाय कम पैसे से हो सकता शुरू: प्रो. समर सिंह
- मशरूम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार : करनाल स्थित महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय ने वीरवार से तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। इसमें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी की वजह से बेरोजगारी बढ़ी है, क्योंकि इस संकट की घड़ी में लोगों को मजबूरीवश से शहर छोड़कर गांव की ओर पलायन करना पड़ रहा है। ऐसे समय में कृषि से जुड़े ग्रामीण इलाकों में छोटे उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता है, ताकि देहात में रोजगार मिल सके। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा ही व्यवसाय है, जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है। सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं।

प्रो. समर सिंह ने कहा कि मशरूम खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। साथ ही पोषण से भरपूर है। इसलिए मौजूदा समय

वीसी प्रो. समर सिंह। ● जागरण आर्काइव

में मशरूम को एक टेबल फूड बनाने की जरूरत है, ताकि घर-घर तक इसका उपयोग हो सके। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवा व किसान भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय खुंब अनुसंधान केंद्र मुरथल की ओर से राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत खुंब उत्पादन, प्रोसेसिंग व विपणन को लेकर आयोजित किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 11.9.2020 पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....4-5.....

ग्रामीण क्षेत्र में कृषि आधारित लघु उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता : प्रो. समर सिंह

प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

मशरूम विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

हिसार, 10 सितम्बर (ब्यूरो): कोरोना महामारी की वजह से बेराजगारी बढ़ी है, क्योंकि इस संकट की घड़ी में लोगों को मजबूरीवश से शहर छोड़कर गांव की ओर पलायन करना पड़ रहा है। ऐसे समय में कृषि से जुड़े ग्रामीण इलाकों में छोटे उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार मिल सके। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा ही व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे।

वे ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने फसल अवशेष का उचित प्रबंध करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवा व किसान भाग ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय
समाचार पत्र का नाम...दैनिक भास्कर...
दिनांक 11.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 7-8

ग्रामीण क्षेत्र में कृषि आधारित लघु उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता : प्रो. समर

भास्कर न्यूज़| हिसार

कोरोना की वजह से बेरोजगारी बढ़ी है, क्योंकि इस संकट की घड़ी में लोगों को मजबूरीवश से शहर छोड़कर गांव की तरफ पलायन करना पड़ रहा है। ऐसे समय में कृषि से जुड़े ग्रामीण इलाकों में छोटे उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार मिल सके। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा ही व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। यह विचार एचएयू हिसार के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे एमएचयू करनाल की ओर से आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के क्षेत्रीय खुम्ब अनुसंधान केन्द्र मुरथल की ओर से राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत खुम्ब उत्पादन, प्रोसेसिंग व विपणन को लेकर आयोजित किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक जागरण....

दिनांक ..11.9.2020.. पृष्ठ संख्या ....4.... कॉलम ....5-6....

सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाएगा एचएयू : डा. बिमला

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष 1 से 7 सितंबर को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के रूप में मनाया जाता रहा है। इस बार इसे राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। यह जानकारी इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा ने दी।

डा. बिमला ढांडा। •सौजन्य स्वयं

उन्होंने बताया कि इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म तथा किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...दैनिक भास्कर...

दिनांक 11.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 7-8

डॉ. बिमला ने कहा- सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मना रहा एचएयू

हिसार| एचएयू में हर साल 1 से 7 सितम्बर को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता रहा है, लेकिन इस बार पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितम्बर माह के प्रथम पखवाड़े की बजाय पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि बच्चों और महिलाओं में कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए सितंबर में तीसरा राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है। कुपोषित (एसएएम) बच्चों और उनके प्रबंधन, बच्चों को जन्म लेने के शुरुआती दौर में अच्छे पोषण के रूप में स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा युवा महिलाओं और बच्चों आदि में खून की कमी को दूर करने के उपायों से जुड़ी गतिविधियों की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 11.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....8.....

सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाएगा हकृवि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में प्रतिवर्ष 1 से 7 सितंबर को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के रूप में मनाया जाता रहा है, लेकिन इस बार पूरे सितंबर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर माह के प्रथम पखवाड़े की बजाय पूरे माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म और किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति जागरूक करना होगा। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि इस दौरान गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से पोस्टर मेकिंग, पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता, पोषण संबंधी प्रश्नोत्तरी व निबंध लेखन जैसे प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 11.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-6.....

बदलते परीपेक्ष्य में आपस में सामंजस्य बनाकर किसानों के लिए काम करें: डॉ. आरएस हुड्डा

मंडी आदमपुर सिटी | कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा केंद्र परिसर पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 26वीं बैठक का आयोजन किया गया। कोरोना-19 महामारी के चलते इस वर्ष बैठक का आयोजन वर्चुअल रूप से किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य अतिथि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने की। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया की वे बदलते परीपेक्ष्य में आपस में सामंजस्य बनाकर किसानों के लिए काम करें। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिकों को निर्देश दिए की वे किसानों की आय बढ़ाने के लिए विशेषकर पशु पालन, जैविक खेती, मधुमक्खी, मशरूम, फल, फूल व सब्जियों की अधिक से अधिक खेती कराने पर बल दे।

सदलपुर में आयोजित वर्चुअल बैठक में भाग लेते वैज्ञानिक व किसान।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 11.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5.7.....

एचएयू में 20 विज्ञानियों के बदले गए पदभार, सहायक को हटाकर वरिष्ठों को दे रहे जगह

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने अपने यहां बड़ा परिवर्तन किया है। इस बार एक साथ 20 पदाधिकारियों के पदों में परिवर्तन किया गया है। किसी को महत्वपूर्ण पदों से हटाकर उनके विभाग में वापस भेज दिया गया है।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने आते ही सबसे पहले विश्वविद्यालय में बदलाव को लेकर संकेत दे दिए थे। उन्होंने कहा था कि पूर्व में कई सहायक विज्ञानियों को बड़े पदों की जिम्मेदारियां दी गई हैं, जबकि वरिष्ठ विज्ञानियों को महत्वपूर्ण पदों पर काबिज करना जरूरी है। इसके लिए उन्होंने रिफॉर्म कमेटी का गठन भी किया है।

यह कमेटी शिक्षक संघ से लेकर अन्य घटकों से रायशुमारी कर रही है। विश्वविद्यालय के आंतरिक ट्रांसफर की लिस्ट चर्चा का विषय बनी हुई है। खास बात यह है कि अब हर परिवर्तन चर्चा का केंद्र बना रहा है। काफी समय बाद विवि में इस प्रकार के स्थानांतरण देखने को इस बार मिल रहे हैं।

इन पदों पर किए गए हैं बदलाव

1- डा. मंगत राम - राइस रिसर्च स्टेशन (आरआरएस), कौल - इनकी स्कीम बदली

2- डा. सुनील कुमार- कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के साथ-साथ अतिरिक्त एडी फास का चार्ज

3- डा. एलएस बेनीवाल- सीनियर कोऑर्डिनेटर कृषि विज्ञान केंद्र फतेहाबाद

4- डा. डीवी पाठक- बावल में वैज्ञानिक के पद से सीनियर कोऑर्डिनेटर मंडकोला

5- डा. एचएस सहारण- एडी पब्लिकेशन

6- डा. बिमलेंद्रा- डा. जोगेंद्र मलिक के स्थान पर एटिक प्रबंधक बनाया गया है

7- डा. आरएस बेनीवाल- सहायक छात्र कल्याण निदेशालय के पद पर डा. ओमेंद्र सांगवान की जगह लगाया गया है

8- डा. अशोक कुमार गोदारा- एसोसिएट निदेशक प्रशिक्षण

9- डा. एसएस पूनिया- एग्रोनॉमी डिपार्टमेंट, स्कीम बदली

10- डा. मीना सहवाग- एग्रोनोमी विभाग से आरआरएस रोहतक भेजा गया है

11- डा. संदीप रावल- कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर से आरआरएस करनाल भेजा गया है

12- डा. अमित कुमार- आरआरएस बावल से सब्जि विभाग में वापस भेजा गया है

13- हरीश कुमार- स्कीम बदली है

14- डा. अमित तोमर- एग्रोनॉमी से आरआरएस कौल

15- डा. विकास हुडा- कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर से कृषि विज्ञान केंद्र फतेहाबाद

16- संदीप भाकर- कृषि विज्ञान केंद्र फतेहाबाद से एडीटी

17- डा. विमला सिंह- आरआरएस कौल से आरआरएस उचानी करनाल

18- डा. सुशीला सिंह- डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री

19- डा. अंकुर चौधरी- स्कीम बदली है

20- डा. करण अहलावत- लैंडस्केप अधिकारी से बदलकर विभाग में भेजा गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 10.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

लघु उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता : प्रो. समर

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। कोरोना महामारी की वजह से बेराजगारी बढ़ी है, क्योंकि इस संकट की घड़ी में लोगों को मजबूरीवश से शहर छोड़कर गांव की ओर पलायन करना पड़ रहा है। ऐसे समय में कृषि से जुड़े ग्रामीण इलाकों में छोटे उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार मिल सके। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा ही व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे एमएचयू करनाल की ओर से आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के क्षेत्रीय खुम्ब अनुसंधान केन्द्र मुरथल की ओर से राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत खुम्ब उत्पादन, प्रोसेसिंग व विपणन को लेकर आयोजित किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पाँच बजे .....

दिनांक 10.9.2020 पृष्ठ संख्या..... — .....कॉलम..... — .....

मशरूम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

ग्रामीण क्षेत्र में कृषि आधारित लघु उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता : प्रो. समर सिंह

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। कोरोना महामारी की वजह से बेरोजगारी बढ़ी है, क्योंकि इस संकट की घड़ी में लोगों को मजबूरीवश से शहर छोड़कर गांव की ओर पलायन करना पड़ रहा है। ऐसे समय में कृषि से जुड़े ग्रामीण इलाकों में छोटे उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार मिल सके। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा ही व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे एमएचयू करनाल की ओर से आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम महाराणा प्रताप

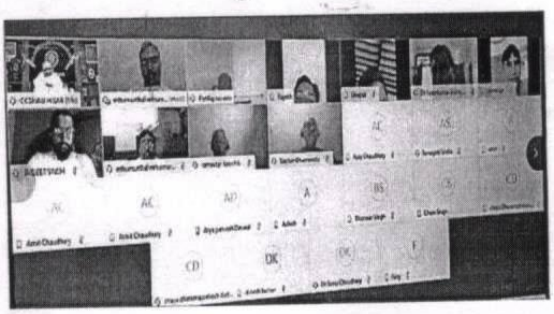

बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के क्षेत्रीय खुम्ब अनुसंधान केन्द्र मुरथल की ओर से राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत खुम्ब उत्पादन, प्रोसेसिंग व विपणन को लेकर आयोजित किया जा रहा है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय खुंब अनुसंधान केन्द्र जो कि मुरथल में स्थित है, जो कि पहले हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत कार्य कर रहा था, अब इसका स्थानांतरण विश्वविद्यालय में कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं का समाधान भी वैज्ञानिकों से प्राप्त करें। साथ ही मशरूम के उत्पादन, विपणन व भंडारण बारे में भी अधिक से अधिक जानकारी हासिल करें। ऑनलाइन प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. रमेश गोयल, कुलसचिव डा. अजय सिंह व विस्तार शिक्षा निदेशक डा. विजय अरोड़ा ने कुलपति का स्वागत किया और प्रशिक्षण की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

फसल अवशेष के उचित प्रबंधन पर भी दिया जोर

कुलपति ने फसल अवशेष का उचित प्रबंध करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। पराली को न जलाकर इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में उपयोग किया जा सकता है। इससे वातावरण दूषित नहीं होगा, मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी, मिट्टी में सूक्ष्म जीवी नष्ट नहीं होंगे। पराली न जलाने के लिए इसे एक सामाजिक अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों को इसमें योगदान देना होगा।

अभी देश में प्रति व्यक्ति खपत बहुत कम

प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मशरूम खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है व पोषण से भरपूर है। इसलिए मौजूदा समय में मशरूम को एक टेबल फूड बनाने की जरूरत है, ताकि घर-घर तक इसका उपयोग हो सके। इसके अनेक प्रकार के व्यंजन व इसको परिक्षित भी किया जा सकता है। हमारे देश में अभी इसका उपयोग प्रति व्यक्ति बहुत ही कम है, जबकि नीदरलैंड व चीन में इसका उपयोग बहुत ज्यादा है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे वर्तमान समय में विकसित नई प्रजातियों की जानकारी हासिल कर इस क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करें। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवा व किसान भाग ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हैलो हिसार.....

दिनांक 10.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

ग्रामीण क्षेत्र में कृषि आधारित लघु उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता : प्रो. समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : कोरोना महामारी की वजह से बेराजगारी बढ़ी है, क्योंकि इस संकट की घड़ी में लोगों को मजबूरीवश से शहर छोड़कर गांव की ओर पलायन करना पड़ रहा है। ऐसे समय में कृषि से जुड़े ग्रामीण इलाकों में छोटे उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार मिल सके। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा ही व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे एमएचयू करनाल की ओर से आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के क्षेत्रीय खुम्ब अनुसंधान केन्द्र मुरथल की ओर से राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत खुम्ब उत्पादन, प्रोसेसिंग व विपणन को लेकर आयोजित किया जा रहा है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय खुंब अनुसंधान केन्द्र जो कि मुरथल में स्थित है, जो कि पहले हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत कार्य कर रहा था, अब इसका स्थानांतरण विश्वविद्यालय में कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं का समाधान भी वैज्ञानिकों से प्राप्त करें। साथ ही मशरूम के उत्पादन, विपणन व भंडारण बारे में भी अधिक से अधिक जानकारी हासिल करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हिसार टुडे.....

दिनांक 10.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

ग्रामीण क्षेत्र में कृषि आधारित लघु उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता : कुलपति

मशरूम विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

ट्रुडे न्यूज | हिसार

कोरोना महामारी की वजह से बेरोजगारी बढ़ी है, क्योंकि इस संकट की घड़ी में लोगों को मजबूरीवश से शहर छोडक़र गांव की ओर पलायन करना पड़ रहा है। ऐसे समय में कृषि से जुड़े ग्रामीण इलाकों में छोटे उद्योग स्थापित करने की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार मिल सके। बागवानी में विविधीकरण के रूप में मशरूम एक ऐसा ही व्यवसाय है जो कम पैसे से शुरू किया जा सकता है और सफल होने पर मशरूम उत्पादन को किसी भी स्तर पर बढ़ाया जा सकता हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे एमएचयू करनाल की ओर से आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के क्षेत्रीय खुम्ब अनुसंधान केन्द्र मुरथल की ओर से राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत खुम्ब उत्पादन, प्रोसेसिंग व विपणन को लेकर आयोजित किया जा रहा है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय खुंब अनुसंधान केन्द्र जो कि मुरथल में स्थित है, जो कि पहले हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत कार्य कर रहा था, अब इसका स्थानांतरण विश्वविद्यालय में कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं का समाधान भी वैज्ञानिकों से प्राप्त करें। साथ ही मशरूम के उत्पादन, विपणन व भंडारण बारे में भी अधिक से अधिक जानकारी हासिल करें। ऑनलाइन प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. रमेश गोयल, कुलसचिव डा. अजय सिंह व विस्तार शिक्षा निदेशक डा. विजय अरोड़ा ने कुलपति का स्वागत किया और प्रशिक्षण की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कुलपति महोदय ने फसल अवशेष का उचित प्रबंध करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। पराली को न जलाकर इसका उपयोग मशरूम के लिए कम्पोस्ट बनाने में उपयोग किया जा सकता है।

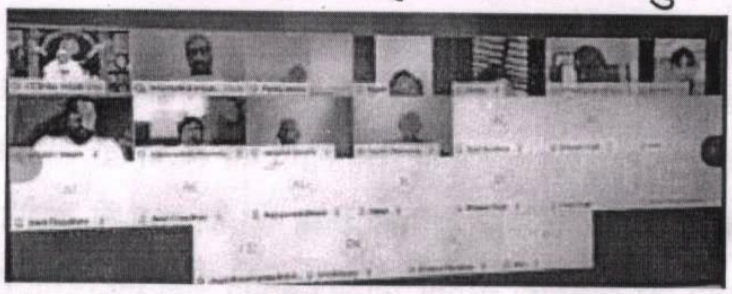

प्रशिक्षण शिविर के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

अभी देश में प्रति व्यक्ति खपत बहुत कम

प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मशरूम खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है व पोषण से भरपूर है। इसलिए मौजूदा समय में मशरूम को एक टेबल फूड बनाने की जरूरत है, ताकि घर-घर तक इसका उपयोग हो सके। इसके अनेक प्रकार के व्यंजन व इसको परिक्षित भी किया जा सकता है। हमारे देश में अभी इसका उपयोग प्रति व्यक्ति बहुत ही कम है, जबकि नीदरलैंड व चीन में इसका उपयोग बहुत ज्यादा है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे वर्तमान समय में विकसित नई प्रजातियों की जानकारी हासिल कर इस क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करें। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवा व किसान भाग ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हिसार टुडे........

दिनांक 10.9.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाएगा एचएयू : डॉ. बिमला ढांडा

टुडे न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष 1 से 7 सितम्बर को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के रूप में मनाया जाता रहा है, लेकिन इस बार पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस बार देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितम्बर माह के प्रथम पखवाड़े की बजाए पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसलिए इस विश्वविद्यालय में भी सितंबर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म तथा किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति जागरूक करना होगा। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि बच्चों और महिलाओं में कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए सितंबर 2020 में तीसरा राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है, जिसकी शुरूआत वर्ष 2018 में हुई थी। पोषण माह का उद्देश्य प्रत्येक के लिए पोषण और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में जन भागीदारी को प्रोत्साहन देना है। इस बार पोषण माह में गंभीर रूप से कुपोषित (एसएएम) बच्चों और उनके प्रबंधन, बच्चों को जन्म लेने के शुरुआती दौर में अच्छे पोषण के रूप में स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा युवा महिलाओं और बच्चों आदि में खून की कमी को दूर करने के उपायों से जुड़ी गतिविधियों पर मुख्य रूप से ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इसके तहत गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से पोस्टर मेकिंग, पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता, पोषण संबंधी प्रश्नोत्तरी व निबंध लेखन जैसे प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी।

अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा।

कुपोषण व एनीमिया को कम करना मुख्य उद्देश्य

राष्ट्रीय पोषण मिशन का मुख्य उद्देश्य छोटे बच्चों, महिलाओं और किशोरियों में कुपोषण और एनीमिया को कम करना है। इसका मुख्य उद्देश्य साल 2022 तक भारत को कुपोषण से मुक्त करना है। विभागाध्यक्ष ने बताया कि देश में कुपोषण की समस्या काफी गंभीर है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के अनुसार भारत में बच्चों की ऊंचाई कम होने के साथ-साथ उनकी ऊंचाई के मुकाबले भार भी बहुत कम है। इसके अलावा कई बच्चों का वजन आवश्यकता से कम है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......हैलो हिसार.......

दिनांक 10.9.2020 पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाएगा एचएयू: डॉ. बिमला ढांडा

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष 1 से 7 सितम्बर को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के रूप में मनाया जाता रहा है, लेकिन इस बार पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस बार देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितम्बर माह के प्रथम पखवाड़े की बजाए पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसलिए इस विश्वविद्यालय में भी सितंबर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म तथा किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति जागरूक करना होगा। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि बच्चों और महिलाओं में कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए सितंबर 2020 में तीसरा राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है,

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 17.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाएगा हकृवि : डॉ. बिमला ढांडा

कहा, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति जागरूक करना होगा

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष 1 से 7 सितम्बर को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के रूप में मनाया जाता रहा है, लेकिन इस बार पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस बार देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितम्बर माह के प्रथम पखवाड़े की बजाए पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसलिए इस विश्वविद्यालय में भी सितंबर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। इस

दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म तथा किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति जागरूक करना होगा।

इन गतिविधियों पर रहेगा फोकस : खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि बच्चों और महिलाओं में कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए सितंबर 2020 में तीसरा राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है, जिसकी शुरूआत वर्ष 2018 में हुई थी। पोषण माह का उद्देश्य प्रत्येक के लिए पोषण और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में जन भागीदारी को प्रोत्साहन देना है। इस बार पोषण माह में गंभीर रूप से कुपोषित (एसएएम) बच्चों और उनके प्रबंधन, बच्चों को जन्म लेने के शुरुआती दौर में अच्छे पोषण के रूप में स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा युवा महिलाओं और बच्चों आदि में खून की कमी को दूर करने के उपायों से जुड़ी गतिविधियों पर मुख्य रूप से ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इसके तहत गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से पोस्टर मेकिंग, पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता, पोषण संबंधी प्रश्नोत्तरी व निबंध लेखन जैसे प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी।

कुपोषण व एनीमिया को कम करना मुख्य उद्देश्य : राष्ट्रीय पोषण मिशन का मुख्य उद्देश्य छोटे बच्चों, महिलाओं और किशोरियों में कुपोषण और एनीमिया को कम करना है। इसका मुख्य उद्देश्य साल 2022 तक भारत को कुपोषण से मुक्त करना है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के अनुसार भारत में बच्चों की ऊंचाई कम होने के साथ-साथ उनकी ऊंचाई के मुकाबले भार भी बहुत कम है। कई बच्चों का वजन आवश्यकता से कम है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.........पांच बजे.........

दिनांक 10.9.2020 पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाएगा एचएयू : डॉ. बिमला ढांडा

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष 1 से 7 सितम्बर को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के रूप में मनाया जाता रहा है, लेकिन इस बार पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस बार देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितम्बर माह के प्रथम पखवाड़े की बजाए पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसलिए इस विश्वविद्यालय में भी सितंबर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में अल्प पोषण, कम वजनी बच्चों के जन्म तथा किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा बच्चों में खून की कमी को दूर करने जैसी समस्याओं के प्रति जागरूक करना होगा।

इन गतिविधियों पर रहेगा फोकस

खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डॉ. संगीता चहल सिंधु ने बताया कि बच्चों और महिलाओं में कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए सितंबर 2020 में तीसरा राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है, जिसकी शुरूआत वर्ष 2018 में हुई थी। पोषण माह का उद्देश्य प्रत्येक के लिए पोषण और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में जन भागीदारी को प्रोत्साहन देना है। इस बार पोषण माह में गंभीर रूप से कुपोषित (एसएएम) बच्चों और उनके प्रबंधन, बच्चों को जन्म लेने के शुरुआती दौर में अच्छे पोषण के रूप में स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा युवा महिलाओं और बच्चों आदि में खून की कमी को दूर करने के उपायों से जुड़ी गतिविधियों पर मुख्य रूप से ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इसके तहत गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से पोस्टर मेकिंग, पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता, पोषण संबंधी प्रश्नोत्तरी व निबंध लेखन जैसे प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी।

कुपोषण व एनीमिया को कम करना मुख्य उद्देश्य

राष्ट्रीय पोषण मिशन का मुख्य उद्देश्य छोटे बच्चों, महिलाओं और किशोरियों में कुपोषण और एनीमिया को कम करना है। इसका मुख्य उद्देश्य साल 2022 तक भारत को कुपोषण से मुक्त करना है। विभागाध्यक्ष ने बताया कि देश में कुपोषण की समस्या काफी गंभीर है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के अनुसार भारत में बच्चों की ऊंचाई कम होने के साथ-साथ उनकी ऊंचाई के मुकाबले भार भी बहुत कम है। इसके अलावा कई बच्चों का वजन आवश्यकता से कम है।